Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-301

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination Jan. – Feb. – 2022

M.A. Darshan, Semester : Third
दर्शन : प्रश्न-पत्र : द्वितीय
सांख्य-योग - तृतीय

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. योगदर्शन में संयम तथा संयम के फल भाष्यानुसार वर्णन करें।
2. विभूतिपाद में वर्णित किन्हीं पांच सिद्धियों का वर्णन भाष्यानुसार करें।
3. सांख्यदर्शनानुसार ध्यान और ध्यान प्राप्ति के साधनों का विस्तृत वर्णन करें।
4. सांख्यदर्शनानुसार स्थूलदेह भोक्ता, चैतन्य नहीं है, सप्रमाण प्रतिपादन करें।
5. योगदर्शन में वर्णित "त्रिविध परिणाम" को भाष्यानुसार समझाये।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. योग के अन्तरङ्ग साधनों की प्रमाणपूर्वक संक्षिप्त व्याख्या करें।
7. स हि सर्ववित् सर्वकर्ता इस सूत्र का प्रसंगपूर्वक वर्णन करें।
8. सांख्यदर्शनानुसार तुष्टियों का संक्षेप में उल्लेख करें।
9. स्थान्युपनिमन्त्रणे सङ्गस्मयाकरणं पुनरनिष्टप्रसङ्गात् इस सूत्र का संक्षिप्त वर्णन करें।
10. सांख्यदर्शन के चतुर्थ अध्याय में वर्णित विवेकज्ञान के साधनों को प्रमाणपूर्वक उल्लेख करें।
11. इन्द्रियजय नाम की सिद्धि को प्रमाणपूर्वक समझाइये।
12. सांख्यदर्शन में प्रदत्त 'आठ' प्रकार के सिद्धियों का वर्णन संक्षेप से करें।

----------X----------